शमशेर बहादुर सिंह (6)

जन्म : कवि शमशेर बहादुर सिंह का जन्म 13 जनवरी, सन् 1911 को देहरादून में हुआ था।

प्रमुख कृतियाँ : कुछ कविताएँ, कुछ और कविताएँ, बात बोलेगी, चुका भी हूँ नहीं मैं, काल तुझसे होड़ है मेरी, इतने पास अपने आदि इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। उन्होंने कुछ समय तक "उर्दू - हिंदी कोश" का संपादन भी किया।

सम्मान : उन्हें 'साहित्य अकादेमी' तथा 'कबीर सम्मान' सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

निधन : उनका निधन सन् 1993 में दिल्ली में हुआ।

साहित्यिक विशेषताएँ :- अपने आपको हिंदी और उर्दू का दोआब मानने वाले कविवर शमशेर बहादुर सिंह की कविता एक संधिस्थल पर खड़ी है। यह संधि जहाँ एक ओर साहित्य, संगीत और चित्रकला की है तो वहीं दूसरी ओर मूर्तता और अमूर्तता तथा ऐंद्रिय और ऐंद्रियेतर की भी है।

शिल्प के स्तर पर प्रयोगधर्मी और विचारों के स्तर पर प्रगतिशील कवि शमशेर बहादुर सिंह की पहचान एक बिंबधर्मी कवि के रूप में है। उनकी यह बिंबधर्मिता ही शब्दों से रेखा, रंग, स्वर और कूची की अद्भुत कशीदाकारी करने को माद्दा रखती है। उनका चित्रकार मन विभिन्न कलाओं के बीच की दूरी को न केवल पाटना है, बल्कि भाषातीत हो जाना चाहता है।

बादल राग

Q. अस्थिर सुख पर दुख की छाया पंक्ति में दुख की छाया किसे कहा गया है और क्यों ?

→ 'अस्थिर सुख पर दुख की छाया' पंक्ति में कवि ने शोषित वर्ग के शोषण को दुख की छाया कहा है। कवि ने बताया है कि शोषित वर्ग के जीवन में सुख का समय नहीं आता है अगर आता भी है तो बहुत ही कम समय के लिए आता है। उसको भी शोषक वर्ग जल्दी ही छीन लेता है। इस प्रकार शोषितों के जीवन में दुख का भय इस प्रकार ही छाया रहता है।

Q. अशनि-पात से शापित उन्नत शत-शत वीर पंक्ति में किसकी ओर संकेत किया गया है ?

→ 'अशनि-पात से शापित उन्नत शत-शत वीर' पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्रांति होने के भय से भयभीत शोषक वर्ग की तरफ संकेत किया है। शोषक वर्ग को सदैव शोषित वर्ग द्वारा क्रांति करने का भय बना रहता है। उन्हें यह मालूम है कि उन्होंने गरीब वर्ग का शोषण करके अपने आपको ऊँचा उठाया है। क्रांति होने से उन्हें अपने वैभव के छीन जाने का भय बना रहता है।

Q. विप्लव-रव से छोटे ही हैं शोभा पाते पंक्ति में विप्लव-रव से क्या तात्पर्य है ? छोटे ही हैं शोभा पाते ऐसा क्यों कहा गया है ?

→ 'विप्लव-रव से छोटे ही हैं शोभा पाते' पंक्ति में विप्ल-व-रव का तात्पर्य यहाँ 'क्रांति' है। क्रांति का आह्वान हमेश